आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 58,400 रु./10 ग्राम
चांदी 76,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 30 अक्टूबर, 2023
www.azadsipahi.in

झारखंड में अगले एक साल तक फ्रंट फुट पर बैटिंग करेगी भाजपा

■ राष्ट्रीय अध्यक्ष गत प्रकाश नड्डा पार्टी नेताओं को दिखा गये राजनीतिक राह

■ प्रदेश इकाई के तमाम खेमों को दे दिया संदेश कि केवल बाबूलाल ही नेता हैं

■ सरकार पर हमलावर रहने के साथ मोदी सरकार के काम को भुनायेगी भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की रांची यात्रा सफल तरीके से संपन्न हो गयी। झारखंड की राजधानी रांची के हरमू मैदान में पार्टी की दो महीने से चल रही राज्यव्यापी संकल्प यात्रा के समापन समारोह में शामिल होकर उन्होंने प्रदेश की सियासत में एक नया गुबार पैदा कर दिया है। उनकी इस यात्रा और संबोधन के बाद से यह साफ हो गया है कि 2024 के विधानसभा चुनाव तक झारखंड भाजपा फ्रंट फुट पर बैटिंग करेगी। अपने 30 मिनट के भाषण में जेपी नड्डा ने जिस तरह राज्य की झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार को भ्रष्टाचार से लेकर दूसरे मुद्दों पर घेरा, उससे यह बात भी साफ हो गयी है कि आनेवाले दिनों में भाजपा का राज्य सरकार पर हमला बढ़ेगा। झारखंड भाजपा के लिए यह राजनीतिक दिशा-दशा तय करने के साथ नड्डा ने अपने 30 मिनट के भाषण में राज्य की 81 विधानसभा सीटों का नैरेटिव भी सेट कर दिया और पार्टी नेताओं को राज्य की सत्ता दोबारा हासिल करने का रास्ता दिखा दिया है। पार्टी की प्रदेश इकाई में व्याप्त खेमेबंदियों को एक झटके में खत्म कर नड्डा ने साफ कर दिया कि झारखंड में पार्टी का एक ही चेहरा है और वह हैं बाबूलाल मरांडी। इसलिए 2024 के विधानसभा चुनाव में भाजपा किसी अंडरडॉग की तरह चुनावी मुकाबले में नहीं उतरेगी, बल्कि अपने नैरेटिव पर ही विरोधियों को खेलने को मजबूर करेगी। नड्डा की रांची यात्रा के सियासी असर और उसके संभावित परिणाम का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

भारतीय जनता पार्टी की झारखंड प्रदेश इकाई की दो माह से चल रही राज्यव्यापी संकल्प यात्रा का राजधानी रांची के हरमू मैदान में औपचारिक समापन तो हो गया, लेकिन इसके साथ ही राज्य की राजनीति में नया गुबार पैदा हो गया है। इस गुबार को देखने से पता चल रहा है कि अगले एक साल तक झारखंड में भाजपा की राजनीति की गाड़ी अब हिचकोले लेकर नहीं, सरपट दौड़ेगी और उसे गति इसी गुबार से पैदा हुए उत्साह से मिलेगी। संकल्प यात्रा के समापन समारोह में शामिल होकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने साफ कर दिया कि भाजपा के लिए झारखंड के अपने गढ़ को वापस हासिल करना कितना जरूरी है। इतना ही नहीं, उनकी यात्रा के बाद भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार हुआ है।

संकल्प यात्रा से भाजपा को क्या हासिल हुआ

नड्डा की रांची यात्रा के असर का अध्ययन करने से पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि करीब दो महीने तक चलनेवाली संकल्प यात्रा से झारखंड भाजपा को क्या हासिल हुआ। इस यात्रा ने भाजपा के भीतर 2014 से पहले के उत्साह का संचार किया है, जिसकी बदौलत पार्टी ने झारखंड की सत्ता में वापसी की थी। इतना ही नहीं, उस उत्साह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 14 में से 11 सीटों पर कब्जा जमाया था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जिस गंभीरता और समर्पण के साथ संकल्प यात्रा के दौरान राज्य के 81 विधानसभा क्षेत्रों का दौरा किया, उसने पार्टी के सबसे निचले स्तर के कार्यकर्ताओं में नयी ताकत भर दी है। अपनी यात्रा के दौरान मरांडी ने आम लोगों से संपर्क किया और उनके मन-मिजाज को पढ़ने की कोशिश की, जिसका नतीजा आनेवाले विधानसभा चुनाव में देखने को मिलेगा। झारखंड की सत्ता से बाहर होने के बाद झारखंड भाजपा का यह बड़ा राज्यस्तरीय कार्यक्रम था, जिसके असर का अंदाजा अब अगले साल होनेवाले विधानसभा चुनाव में दिखेगा।

बाबूलाल मरांडी को मिल गयी नयी ताकत

जेपी नड्डा ने हरमू मैदान में अपने भाषण में जो कुछ कहा, उसका लब्बो-लुआब यही था कि झारखंड भाजपा में अब एक ही नेता है और उसका नाम बाबूलाल मरांडी है। नड्डा ने पार्टी की प्रदेश इकाई में व्याप्त तमाम खेमों को साफ संदेश दे दिया है कि अब बाबूलाल मरांडी राज्य में भाजपा का चेहरा हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छत्रछाया में राज्य में पार्टी को सत्ता के रास्ते पर आगे ले चलेंगे। इस तरह अब झारखंड भाजपा के भीतर न कोई गुट बच गया है और न कोई खेमेबंदी रह गयी है। इसका एक मतलब यह भी निकाला जा सकता है कि बाबूलाल मरांडी को पार्टी को सत्ता तक पहुंचाने की बड़ी जिम्मेवारी देकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरना बड़ी चुनौती होगी, लेकिन बाबूलाल मरांडी के राजनीतिक करियर को देखते हुए यह जिम्मेवारी बहुत बड़ी नहीं दिख रही है।

कांग्रेस समेत विपक्ष को भी रखा निशाने पर

नड्डा ने झारखंड भाजपा के तमाम नेताओं-कार्यकर्ताओं को यह भी बता दिया कि उन्हें घबड़ाने या डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन को जिस तरह निशाने पर रखा, उससे जाहिर होता है कि भाजपा अब किसी अंडरडॉग की तरह नहीं, बल्कि सामने से आकर पूरी ताकत से मुकाबला करेगी। इसलिए उन्होंने कांग्रेस और विपक्षी दलों की घटिया राजनीति का उदाहरण दिया और कहा कि भाजपा अब हर हमले का जवाब नये हमले से देगी।

नड्डा की यात्रा ने क्या सब बदला

अब बात करते हैं संकल्प यात्रा के समापन समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के शामिल होने के कारण और प्रभाव की। नड्डा ने इस कार्यक्रम में शामिल होकर बता दिया कि भाजपा के लिए झारखंड की सत्ता दोबारा हासिल करना कितना महत्वपूर्ण है। वह जानते हैं कि पार्टी को विधानसभा चुनाव से पहले लोकसभा चुनाव के मुकाबले में उतरना है और इस बार झारखंड में सत्ता से बाहर रहने के कारण भाजपा के लिए फ्रंटफुट पर खेलना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन अपने 30 मिनट के भाषण में उन्होंने बता दिया कि झारखंड में पार्टी अब किसी भी तरह बैकफुट पर नहीं रहेगी, बल्कि विधानसभा चुनाव तक राज्य की झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार पर हमलावर रहेगी। नड्डा ने जिस तरह राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाये, उससे यह भी साफ हो गया कि पार्टी ने अब 'ऑफेंस इज दि बेस्ट डीफेंस', यानी 'आक्रमण ही सबसे अच्छा बचाव है' की लाइन पकड़ेगी। उन्होंने न केवल भ्रष्टाचार, बल्कि धर्मांतरण, आदिवासी मुद्दों और विकास के सवाल पर भी राज्य की वर्तमान सरकार पर करारा प्रहार कर एक नया नैरेटिव सेट कर दिया। अगले एक साल तक झारखंड की राजनीति इसी नैरेटिव के इर्द-गिर्द घूमती रहेगी और इस चकरघिन्नी में ही विधानसभा के चुनाव भी होंगे। यही भाजपा चाहती थी, जिसे नड्डा ने सफलतापूर्वक कर दिखाया।

राजनीतिक हलचल

राहुल गांधी का छत्तीसगढ़ के मजदूरों से खास वादा, काटी धान की फसल

राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में किसानों के साथ धान की कटाई में हाथ बंटाया और किसानों के लिए किये जाने वाले अपनी सरकार के काम की पूरी फेहरिस्त सामने रखी। इससे पहले कांग्रेस पार्टी ने ओल्ड पेंशन स्कीम के मुद्दे पर अपना पक्ष खुलकर जनता के सामने रखा। दो मुद्दों के अलावा कांग्रेस पार्टी ने अग्निवीर और सेना के सैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं को लेकर जिस तरह से अपना पक्ष रखा है, वह आने वाले लोकसभा के चुनावों का पूरा सियासी रोड मैप और मुद्दों की कहानी बयां कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ की बघेल सरकार के विकास कार्यों का बखान किया। राहुल गांधी ने कहा कि पांच साल पहले हमने छत्तीसगढ़ की जनता से वादा किया था। कांग्रेस ने आपसे जो भी वादे किये थे, वो पूरे कर दिखाये हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पांच साल पहले भूपेश बघेल, मैंने और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने छत्तीसगढ़ की जनता से तीन-चार वादे किये थे। सबसे बड़ा वादा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जायेगा। हमने यह भी कहा था कि छत्तीसगढ़ के किसानों को धान का दाम 2500 रुपये प्रति क्विंटल मिलेगा, लेकिन आज हम राज्य में किसानों को 2,640 रुपये प्रति क्विंटल प्रदान कर रहे हैं। हम इसे आने वाले समय में 3 हजार प्रति क्विंटल तक ले जायेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि अब हमने निर्णय लिया है कि मजदूरों को हर साल 10 हजार रुपये देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के लिफाफे में 21 रुपये की बात अफवाह

प्रियंका गांधी ने काल्पनिक कहानी बना कर लिफाफे का जिक्र किया : मुख्य पुजारी

राजस्थान के गुर्जर समाज के आराध्य स्थल मालासेरी डूंगरी मंदिर (भीलवाड़ा) के मुख्य पुजारी हेमराज पोसवाल ने साफ किया कि मंदिर समिति और मैंने कभी ऐसा बयान नहीं दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दान-पात्र में कोई लिफाला डाला था। न ही दान-पात्र खोलते समय ये बताया कि लिफाफा प्रधानमंत्री का है। ये पूरी तरह से अफवाह फैलायी गयी। साथ ही कहा- प्रियंका गांधी ने दौसा और झुंझुनूं में काल्पनिक कहानी बनाकर लिफाफे का जिक्र किया। पुजारी शुक्रवार को जयपुर में मीडिया से बात कर रहे थे। दरअसल, प्रियंका गांधी ने 7 दिन पहले दौसा में जनसभा के दौरान कहा था- मैंने टीवी पर देखा, पता नहीं सच है कि नहीं, देवनारायण जी के मंदिर में कुछ समय पहले प्रधानमंत्री गये थे और एक लिफाफा डाल आये। 6 महीने बाद प्रधानमंत्री जी की ओर से दिया लिफाफा खोला गया, जनता सोच रही थी कि भगवान जाने क्या होगा इस लिफाफे में? देश के इतने बड़े नेता अयेए थे, वह लिफाफा डालकर गये थे।

स्थानीय राजनेताओं ने अफवाह फैलायी

पुजारी ने बताया- हर साल की तरह इस साल भी भादवीं छठ के अवसर पर दान-पात्र खोला गया था। जो समिति और सर्वसमाज के सामने खोला गया। इसमें कैश और लिफाफे मिले। इस दौरान मेरे और मंदिर समिति के लोगों से रंजिश रखने वाले आसींद-भीलवाडा के स्थानीय राजनेताओं ने अफवाह फैलायी। हेमराज पोसवाल ने बताया- इस अफवाह में बताया प्रधानमंत्री ने कोई लिफाफा डाला। इसको खोलने पर 21 रुपये निकले, लेकिन मंदिर समिति और मैंने कभी भी ऐसा बयान नहीं दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने न कोई लिफाफा दान-पात्र में डाला। न दान-पात्र खोलते समय निकला। न ही मैंने बताया कि यह प्रधानमंत्री का लिफाफा है। उन्होंने बताया दान-पात्र में कई लिफाफा थे, जिसके बारे में जानकारी नहीं दी गयी। स्थानीय नेताओं ने सनातन धर्म, मंदिर और मोदी की छवि को खराब करने के लिए अफवाह फैलायी।

प्रियंका गांधी ने काल्पनिक कहानी बनायी

हेमराज पोसवाल ने कहा- कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने दौसा और झुंझुनूं में काल्पनिक कहानी बनाकर लिफाफे का जिक्र किया। इससे भगवान विष्णु के अवतार देवनारायण भगवान को मानने वाले और सनातन धर्म को मानने वाले लोगों की भावना को ठेस पहुंचायी। बता दें कि इस साल 28 जनवरी को पीएम मोदी मालासेरी डूंगरी आये थे। इसके बाद सितंबर में दानपात्र खुला तो 21 रुपये वाली बात सामने आयी थी।